pUda [N3rnexnl SkU
Aapka haaRdk Svagt
krta hE

वसंत
भाग 3
कक्षा 8 के लिए
हिंदी की पाठ्यपुस्तक

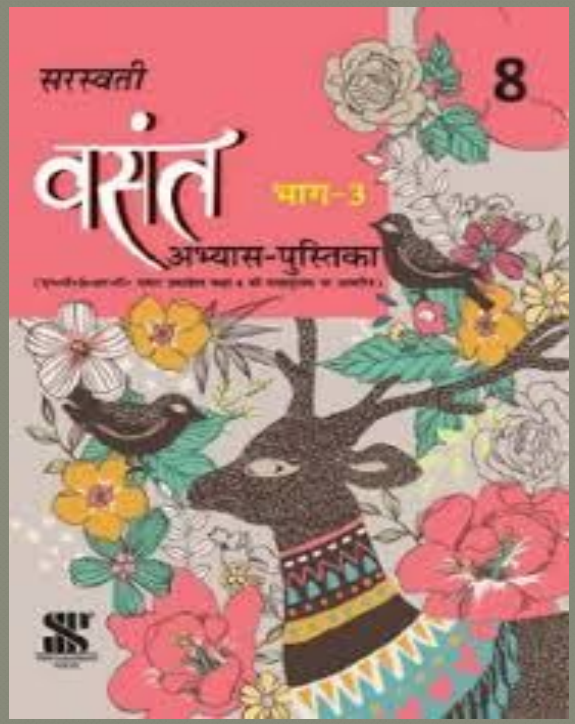
सरस्वती
8
वसंत
भाग-3
अभ्यास-पुस्तिका

लेखक ⟶ अरावेद कुमार सिंह

जन्म - 11 जुलाई 1962

स्थान - बरवारीपुर, सुल्तानपुर, उत्तरप्रदेश

* पहले के ज़माने में पत्र किसके माध्यम से जाते थे

पाठ 5 चिट्ठियों की अनूठी दुनिया अरविंद कुमार सिंह

अरविन्द कुमार (जन्म: 17 जनवरी 1930), अपनी धर्मपत्नी **कुसुम कुमार** (जन्म: 8 दिसंबर 1933) के साथ हिन्दी के प्रथम **समान्तर कोश** (थिसारस) के निर्माण करने के लिये जाने जाते हैं। अभी हाल में उन्होने संसार का सबसे अद्वितीय द्विभाषी थिसारस तैयार किया। द पेंगुइन इंग्लिश-हिन्दी / हिन्दी-इंग्लिश थिसॉरस ऍण्ड डिक्शनरी अपनी तरह एकमात्र और अद्भुत भाषाई संसाधन है। यह किसी भी शब्दकोश और थिसारस से आगे की चीज़ है और संसार में कोशकारिता का एक नया कीर्तिमान स्थापित करता है। इतना बड़ा और इतने अधिक शीर्षकों उपशीर्षकों वाला संयुक्त द्विभाषी थिसारस और कोश इस से पहले नहीं था।

पाठ का सार

लेखक ‘पत्र’ की महत्ता बताते हैं की आज का युग वैज्ञानिक युग है। मनुष्य के पास अनेक संचार के साधन हैं फिर भी मनुष्य पत्रों का सहारा जरूर लेता है। वे कहते हैं इनके नाम भी भाषा के अनुसार अलग-अलग हैं। तेलगू में उत्तरम, कन्नड़ में कागद, संस्कृत में पत्र, उर्दू में खत, तमिल में कडिद कहा जाता है। आज भी कई लोग अपने पुरखों के पत्र सहेजकर रखें हैं। हमारे सैनिक अपने घर वालों के पत्रों का इंतजार

उन्होंने यह बताते हुए कहा है कि आज भी सिर्फ भारत में प्रतिदिन साढ़े चार करोड़ पत्र डाक में डाले जाते हैं। पंडित जवाहर लाल नेहरू ने भी पत्र के महत्त्व को माना है। लेखक कहते हैं कि २०वीं शताब्दी में पत्र केवल संचार का साधन ही नहीं अपितु एक कला मानी

शब्दार्थ

- AjIbae grIb - Anaeqa
- 0s0m0s - l6usdex seva
- Tah-ghra[R
- mStE- tTpr
- gDivl -AC7I 7iv

पाठ परिचय

- ki#n xBd
- xBda4R
- pa#- sar
- p/Xno. ke]Ttr iliq0|
- Vyakr` ivwag
- leq n-bo2
- saPtaihk pir9a

विशेषण

वाक्य में संज्ञा अथवा सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्दों को **विशेषण** कहते हैं। जिस विकारी शब्द से संज्ञा की व्याप्ति मर्यादित होती है, उसे भी **विशेषण** कहते हैं। जिस शब्द (संज्ञा अथवा सर्वनाम) की विशेषता बतायी जाती है उसे **विशेष्य** कहते हैं। जैसे

काली कुत्ता।इस वाक्य में काला विशेषण है।कुत्ता विशेष्य है । मेहनती विद्यार्थी सफलता पाते हैं। धरमपुर स्वच्छ नगर है। वह पीला है। ऐसा आदमी कहाँ मिलेगा? इन वाक्यों में **मेहनती, स्वच्छ, पीला** और **ऐसा** शब्द विशेषण हैं। जो क्रमशः विद्यार्थी, धरमपुर, वह और आदमी की विशेषता बताते हैं।विद्यार्थी, धरमपुर, वह और आदमी शब्द विशेष्य हैं।

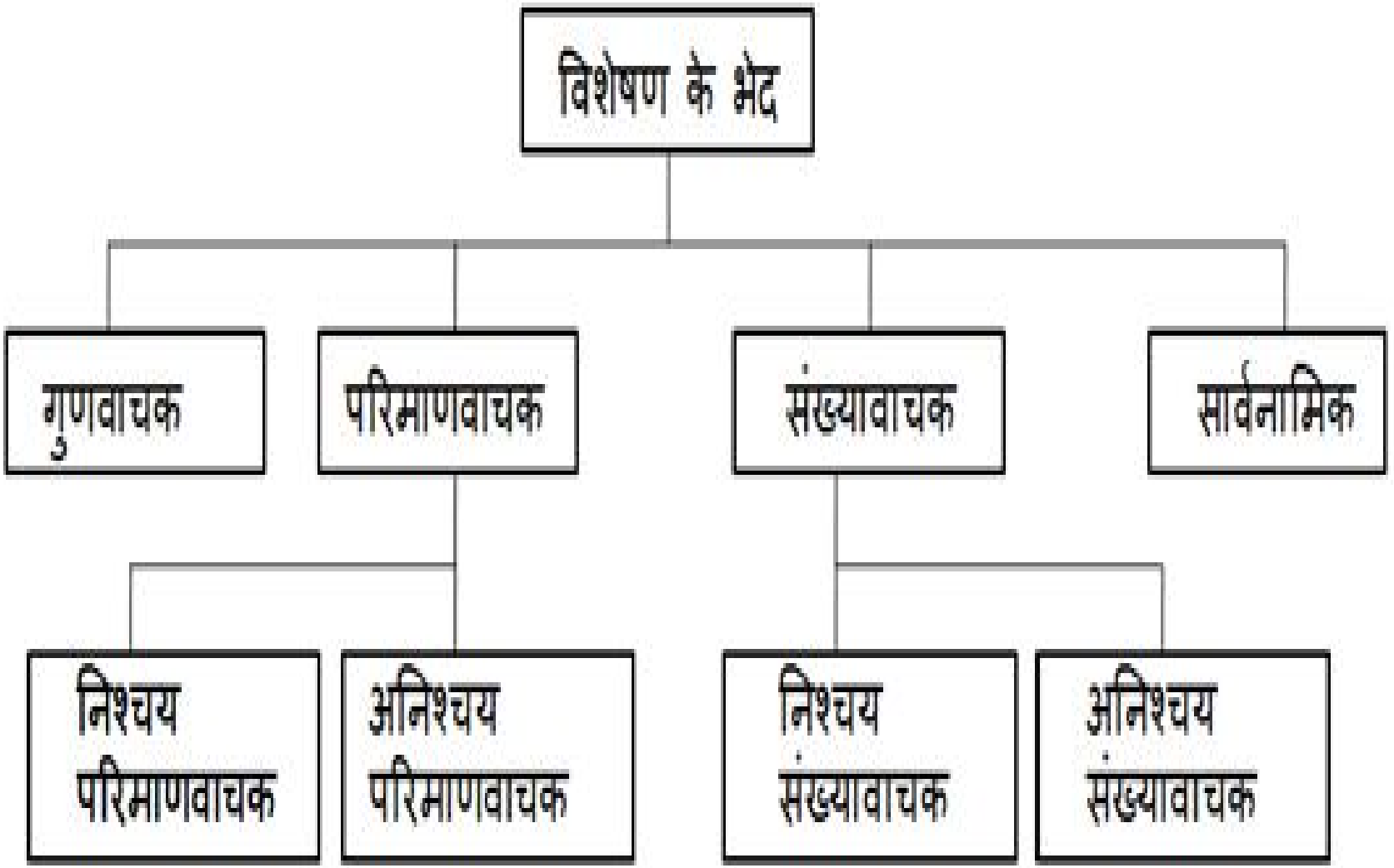
विशेषण के भेद
गुणवाचक
परिमाणवाचक
संख्यावाचक
सार्वनामिक
निश्चय परिमाणवाचक
अनिश्चय परिमाणवाचक
निश्चय संख्यावाचक
अनिश्चय संख्यावाचक

I.गुणवाचक विशेषण:

4. दशा संबंधी- दुबला, पतला, मोटा, भारी, गाढ़ा, गीला, गरीब, पालतू आदि।
5. वर्ण संबंधी- लाल, पीला, नीला, हरा, काला, बैंगनी, सुनहरी आदि।
6. गुण संबंधी- भला, बुरा, उचित, अनुचित, पाप, झूठ आदि।
7. संज्ञा संबंधी- मुंबईया, बनारसी, लखनवी आदि।

2.संख्यावाचक विशेषण:

जिस विशेषण से संज्ञा या सर्वनाम की संख्या का बोध होता है, उसे **संख्यावाचक विशेषण** कहते हैं। जैसे-

1. कक्षा में चालीस विद्यार्थी उपस्थित हैं।
2. दोनों भाइयों में बड़ा प्रेम हैं।
3. उनकी दूसरी लड़की की शादी है।
4. देश का हरेक बालक वीर है।

उपर्युक्त वाक्यों में चालीस, दोनों, दूसरी और हरेक शब्द संख्यावाचक विशेषण हैं।

संख्यावाचक विशेषण के भी दो प्रकार हैं-

1. **निश्चित संख्यावाचक**
2. **अनिश्चित संख्यावाचक**

3.परिमाण-बोधक विशेषण:

जिस विशेषण से किसी वस्तु की नाप-तौल का बोध होता है, उसे परिमाण-बोधक विशेषण कहते हैं। जैसे-

1. मुझे दो मीटर कपड़ा दो।
2. उसे एक किलो चीनी चाहिए।
3. बीमार को थोड़ा पानी देना चाहिए।

उपर्युक्त वाक्यों में दो मीटर, एक किलो और थोड़ा पानी शब्द परिमाण-बोधक विशेषण हैं। परिमाण-बोधक विशेषण के दो प्रकार हैं-

1. **निश्चित परिमाण-बोधक:** जैसे, दो सेर गेहूँ, पाँच मीटर कपड़ा, एक लीटर दूध आदि।
2. **अनिश्चित परिमाण-बोधक:** जैसे, थोड़ा पानी, और अधिक काम, कुछ परिश्रम आदि। परिमाण-बोधक विशेषण अधिकतर भाववाचक, द्रव्यवाचक और समूहवाचक संज्ञाओं के साथ आते हैं।

4.सार्वनामिक विशेषण:

जब कोई सर्वनाम शब्द संज्ञा शब्द से पहले आए तथा वह विशेषण शब्द की तरह संज्ञा की विशेषता बताये, उसे सार्वनामिक विशेषण कहते हैं। जैसे-

1. वह आदमी व्यवहार कुशल है।
2. कौन छात्र मेरा काम करेगा।

उपर्युक्त वाक्यों में वह और कौन शब्द सार्वनामिक विशेषण हैं। पुरूषवाचक और निजवाचक सर्वनामों को छोड़ बाकी सभी सर्वनाम संज्ञा के साथ प्रयुक्त होकर सार्वनामिक विशेषण बन जाते हैं। जैसे-

1. निश्चयवाचक- यह मूर्ति, ये मूर्तियाँ, वह मूर्ति, वे मूर्तियाँ आदि।
2. अनिश्चयवाचक- कोई व्यक्ति, कोई लड़का, कुछ लाभ आदि।
3. प्रश्नवाचक- कौन आदमी? कौन लौग?, क्या काम?, क्या सहायता? आदि।
4. संबंधवाचक- जो पुस्तक, जो लड़का, जो वस्तुएँ आदि।

व्युत्पत्ति की दृष्टि से सार्वनामिक विशेषण के दो प्रकार हैं-

1.**मूल सार्वनामिक विशेषण** और
2.**यौगिक सार्वनामिक विशेषण**।

लटरबक्स का चित्र चिपकाइए